



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 837]

नई दिल्ली, सोमवार, सितम्बर 15, 2003/भाद्र 24, 1925

No. 837]

NEW DELHI, MONDAY, SEPTEMBER 15, 2003/BHADRA 24, 1925

संस्कृति विभाग

(भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 15 सितम्बर, 2003

का.आ. 1055(अ).— केन्द्रीय सरकार का यह मत है कि इसके साथ उपाबद्ध स्थल मानचित्र और अनुसूची में विनिर्दिष्ट प्राचीन संस्मारक हवा महल जो रूठी रानी का महल के नाम से मशहूर है राष्ट्रीय महत्व का है;

अब, इसलिए, प्राचीन संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल एवं अवशेष अधिनियम, 1958(1958 का 24) की धारा 4 की उप धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त प्राचीन स्मारक को राष्ट्रीय महत्व का घोषित करने के अपने इरादे का इसके द्वारा नोटिस देती है।

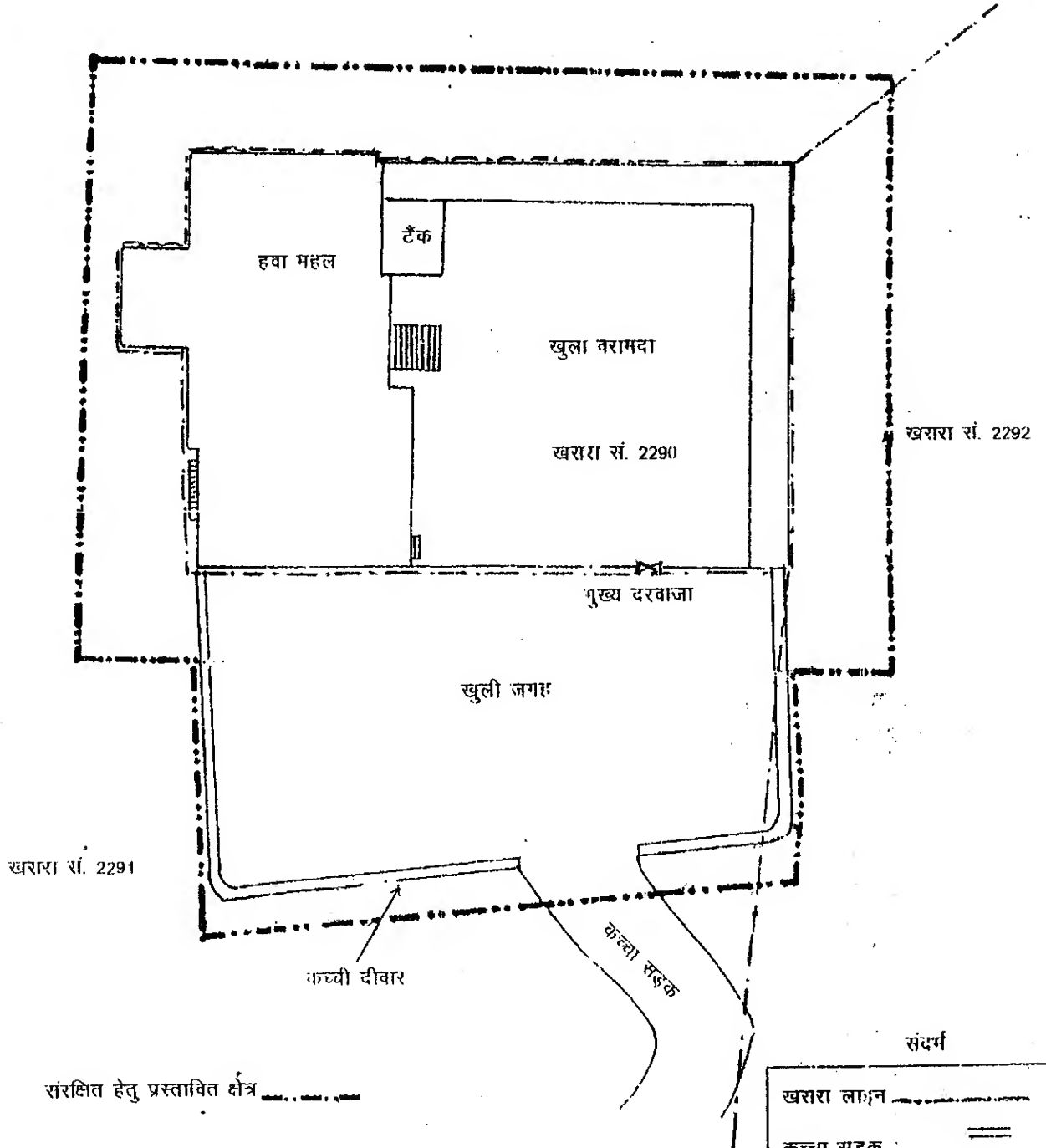
उक्त प्राचीन स्मारक को राष्ट्रीय महत्व का घोषित करने के लिए कोई आपत्ति राजकीय राजपत्र में इस अधिसूचना को जारी किए जाने की तारीख से दो महीने की अवधि के भीतर उक्त प्राचीन स्मारक में रुचि लेने वाले किसी व्यक्ति द्वारा की जा सकती है जिस पर महानिदेशक, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, नई दिल्ली 110011 द्वारा विचार किया जाएगा।

हवा महल का मानचित्र (रूठी रानी का महल नाम से जाना जाता है।)

वीरपुरा (जयसमन्द), तहसील — सराड़ा

जिला — उदयपुर (राजस्थान)

1 0 1 4  
M.



संरक्षित हेतु प्रस्तावित क्षेत्र .....

खरारा लाइन .....  
कच्चा सड़क .....  
सीढ़ियाँ .....

## अनुसूची

क्र.सं.	जिला	तहसील	स्थान	स्मारक का नाम	संरक्षण शामिल होने राजस्व	में किए गए वाला	क्षेत्रफल	सीमाएं तथा खसरा संख्या				स्वामित्व	टिप्पणी
								उत्तर	पूर्व	पश्चिम	दक्षिण		
1.	उदयपुर	सराडा	वीरपुर जयस-मन्द	हवा महल रुठी रानी महल से पहचाने जाने वाला	खसरा सं. 2290 खसरा सं. 2291 का हिस्सा खसरा सं. 2292 का हिस्सा कुल 3 खसरा संख्या	0.36 हेक्टर 0.090 हेक्टर 0.020 हेक्टर कुल 0.47 हेक्टर		खसरा संख्या 2291 जयसमन्द झील	खसरा संख्या 2292	खसरा संख्या 2291	खसरा संख्या 2291	वन-विभाग	

[फा. सं. 2-26/2003-एम.]

गौरी चटर्जी, महानिदेशक तथा अपर सचिव

**DEPARTMENT OF CULTURE**  
**(Archaeological Survey of India)**

**NOTIFICATION**

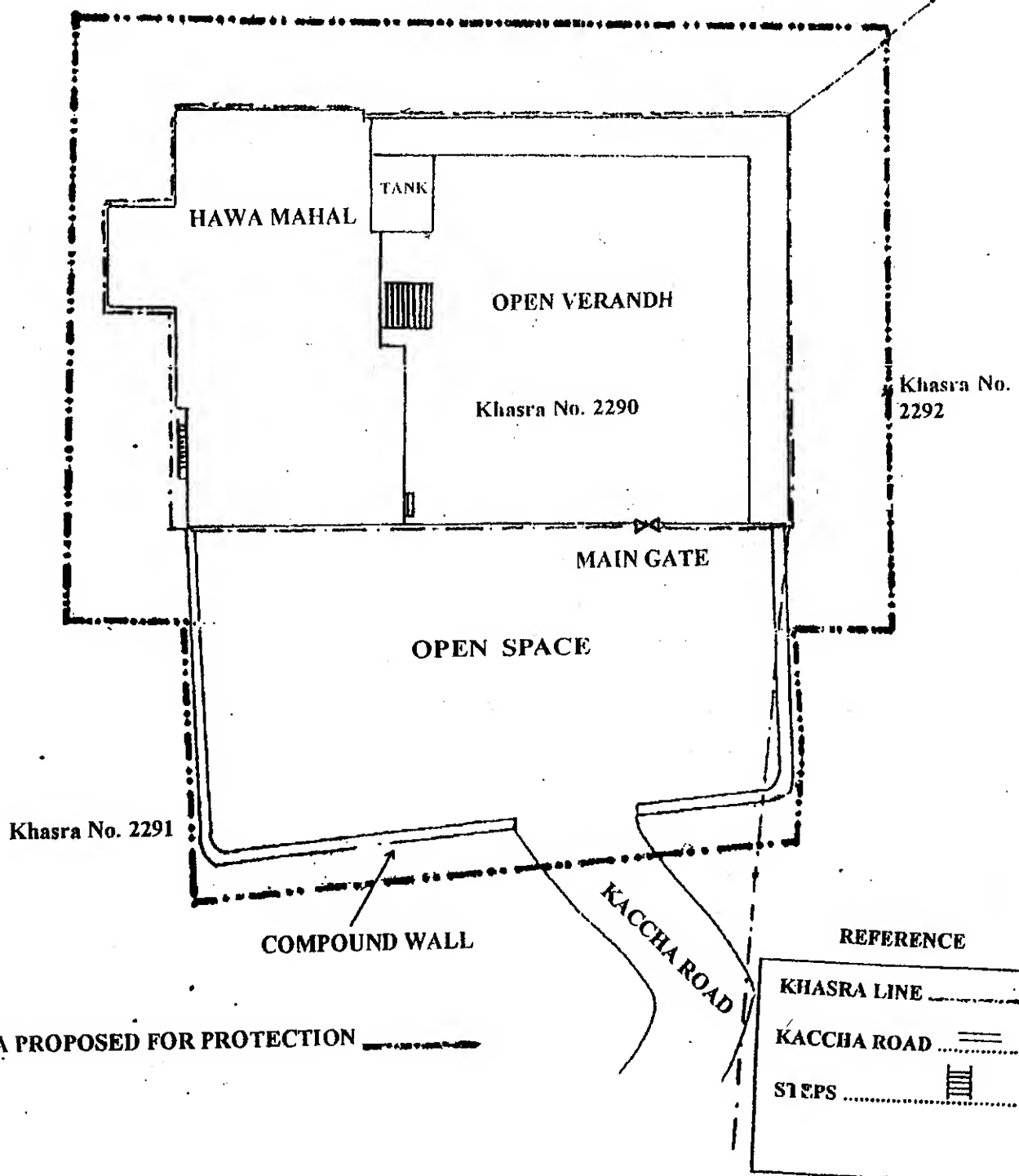
New Delhi, the 15th September, 2003

**S.O. 1055(E).**—Whereas the Central Government is of the opinion that the ancient monument, Hawa Mahal known as Roothi Rani Ka Mahal specified in the Site Plan and the Schedule annexed hereto, is of national importance;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section(1) of section 4 of the Ancient Monuments And Archaeological Sites And Remains Act, 1958(24 of 1958), the Central Government hereby gives notice of its intention to declare the said ancient monument to be of national importance;

Any objection to the declaration of the said ancient monument to be of national importance, may be made within a period of two months from the date of issue of this notification, by any person interested in the said ancient monument which will be taken into consideration by the Director General, Archaeological Survey of India, New Delhi-110011.

**SITE PLAN OF HAWA MAHAL (KNOWN AS Roothi Rani Ka Mahal)**  
**VEERPURA (JAISAMAND), TEHSIL SARADA,**  
**DISTRICT - UDAIPUR (RAJASTHAN)**

2 0 2 4  
M.

# SCHEDULE

Sl. No.	District	Tehsil	Locality	Name of monument / site	Revenue khasra No. to be included under protection	Area	Boundaries with khasra No.				Ownership	Remarks
							North	East	West	South		
1	Udaipur	Sarada	Veerpura Jaisamand	Hawa Mahal Known as Roothi Rani ka Mahal	K.No.2290  Part of K.No.2291  Part of K.No.2292	0.36 hectre  0.090 hectre  0.020 hectre	K.No. 2291 Jaisamand Lake	K.No. 2292	K.N. 2291	K.No. 2291	Forest Department	
					<b>Total 3 Khasra Nos.</b>	<b>Total 0.47 hectre</b>						

[F.No. 2-26/2003-M]

GAURI CHATTERJI, Director General and Addl. Secy.